बर्षः- 05
अंकः- 302
मुरादाबाद
(Tuesday)
24 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति भवन में लुटियंस की जगह लगाई गई राजाजी की प्रतिमा, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अनावरण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी. राजगोपालाचारी की मूर्ति का अनावरण किया। यह मूर्ति एडविन लुटियंस की जगह लगाई गई है। यह कदम गुलामी की मानसिकता को छोड़कर भारतीय नायकों को सम्मान देने का प्रतीक है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति और कई केंद्रीय मंत्री भी शामिल हुए। राष्ट्रपति भवन में सोमवार को पहले भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के जीवन और विरासत को दर्शाने वाले राजाजी उत्सव का आरंभ हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस खास मौके पर उन्होंने सी. राजगोपालाचारी की मूर्ति का अनावरण किया। राजगोपालाचारी भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल थे।राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह मूर्ति अशोक मंडप के पास बनी बड़ी सीढ़ियों पर लगाई गई है। यह मूर्ति वहां पहले से लगी एडविन लुटियंस की मूर्ति की जगह ली है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह बदलाव गुलामी की सोच को पीछे छोड़ने की एक कोशिश है। यह भारत की संस्कृति, विरासत और परंपराओं को गर्व के साथ अपनाने का तरीका है। साथ ही, यह उन महान लोगों को सम्मान देने का प्रयास है जिन्होंने अपने असाधारण योगदान से भारत माता की सेवा की।राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यह कदम देश के इतिहास को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय नेताओं को पहचान देने की राष्ट्रीय कोशिश का प्रतीक है। सी. राजगोपालाचारी को लोग %राजाजी% के नाम से जानते हैं। वे एक मशहूर स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और विद्वान थे। उन्होंने 1948 से 1950 तक भारत के आखिरी गवर्नर-जनरल के रूप में काम किया था।कार्यक्रम में कई नेता मंत्री रहे मौजूद- इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मौजूद रहे। सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन और राजाजी के परिवार के सदस्य भी वहां उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि वे आज राजाजी उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लुटियंस की जगह राजाजी की मूर्ति लगाना गुलामी की निशानियों से दूर जाने की हमारी यात्रा का एक अहम पड़ाव है। यह कार्यक्रम दिखाता है कि सरकार राष्ट्रीय नायकों को सम्मान देने और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने पर लगातार जोर दे रही है। पीएम मोदी ने बताया गौरव का क्षण- स अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में राष्ट्रपति द्वारा राजाजी के नाम से प्रसिद्ध चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण भारत की जनता के लिए गौरव का क्षण है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह अवसर और %राजाजी उत्सव% का आयोजन भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रनिर्माताओं में से एक की स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उन्होंने आगे कहा कि %राजाजी उत्सव% के अंतर्गत आयोजित होने वाले समारोह, जिनमें पुस्तक और पैनल प्रदर्शनी, फिल्म प्रदर्शन और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं, एक महान नेता को श्रद्धांजलि हैं।

संक्षिप्त समाचार

एक्सप्रेसवे हादसे में पांच मौतें, आगरा में ड्राइवर ने पी थी शराब, बिहार के थे बस में सवार ज्यादातर यात्री

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे हादसे के पीछे की वजह सामने आ गई है। इसके पीछे ड्राइवर का शराब पीकर गाड़ी चलाने की वजह सामने आ रही है।डबल डेकर स्लीपर बस के चालक की लापरवाही ने पांच लोगों की जान ले ली। चालक के साथ परिचालक भी मौके से भाग निकला। घायल यात्रियों ने बताया कि रविवार शाम को चार बजे चालक बस लेकर निकला था। बस में पानीपत से भी कुछ यात्रियों को बिठाया गया था। बस में ज्यादातर बिहार और नेपाल के यात्री सवार थे। हादसे में घायल गौरव कुमार, ओमकार सिंह और रवींद्र कुमार ने बताया कि चालक ने आगरा में ढाबे पर बस रोकी थी। वहां उसने खाना खाने से पहले शराब पी थी। आरोप है कि आगरा से निकलने के बाद ही चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। कई यात्रियों ने उसे आराम से चलाने के लिए बोला, लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी। अत्यधिक नशे में होने के कारण चालक को झपकी आ गई और हादसा हो गया। धुलवाई- हादसे के बाद घटनास्थल पर चारों तरफ खून बिखरा था। एक्सप्रेसवे खून से सन गया था। पुलिस ने पास में चल रहे ट्यूबवेल से पानी लाकर सड़क को धुलवाया। बस को क्रेन की मदद से किनारे किया गया। घायलों ने बताया कि चालक के साथ परिचालक ने भी शराब पी थी। इसलिए दोनों हादसे के बाद भाग निकले।एक्सप्रेसवे पर लगा जाम, वीडियो वायरल- बस दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रफ्तार थम गई।

मोहाली में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादवः बोले- SIR सिर्फ वोट काटने के लिए, यूपी की 37 विधानसभा में सिख कम्युनिटी

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उनके धर्म के पूजनीय शंकराचार्य के खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि दो उपमुख्यमंत्री उनके समर्थन में सामने आए हैं।समाजवादी पार्टी प्रमुख व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को पंजाब के मोहाली पहुंचे थे। अखिलेश यादव ने राजधानी दिल्ली की बुनियादी समस्याओं और देश के राजनीतिक हालात को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक्यूआई, ट्रैफिक, सीवर और धूल जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, लेकिन उनका समाधान नहीं किया गया।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उनके धर्म के पूजनीय शंकराचार्य के खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि दो उपमुख्यमंत्री उनके समर्थन में सामने आए हैं। अगर दो डिप्टी सीएम उनके साथ हैं तो सरकार कैसे चलेगी? लगता है कि सब मिलीभगत से काम कर रहे हैं। लोगों को उलझाए रखना और 'डिवाइड एंड रूल' की नीति अपनाना इनका उद्देश्य है।अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) सिर्फ वोट काटने के लिए लागू किया गया है। इस मुद्दे पर आईएनडीआईए गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और आगे भी एकजुट रहेगा। उत्तर प्रदेश 37 विधानसभा में सिख समाज के अधिकांश लोग रहते हैं। उत्तराखंड के साथ लगे यूपी के बॉर्डर क्षेत्र में सिख कम्युनिटी बसती है। ऐसे में उन सभी को अपने दस्तावेज ढूंढने पड़ेंगे कि वे वहां के स्थायी निवासी हैं या नहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराना है। उत्तर प्रदेश के चुनाव केवल 2027 के नहीं, बल्कि 2029 की लड़ाई की तैयारी भी हैं। हमें उन लोगों से सावधान रहना होगा जो समाज को बांटने की बात करते हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष जनता के मुद्दों को लेकर एकजुट है और भाजपा की नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करेगा।

पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को लिखा पत्र;अवैध घुसपैठ और महिला सुरक्षा समेत उठाए कई मुद्दे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को पत्र लिखकर 'एबार भाजपा सरकार' का नारा दिया। उन्होंने राज्य सरकार पर कुशासन, तुष्टिकरण और महिलाओं की असुरक्षा का आरोप लगाया। केंद्र की योजनाओं का हवाला देते हुए पीएम ने बदलाव की अपील की। आइए, विस्तार से जानते हैं पीएम मोदी ने पत्र में क्या कुछ कहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को एक खुला पत्र लिखा है। इससे एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। इस पत्र में उन्होंने 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए राज्य की मौजूदा सरकार पर सीधा हमला बोला। पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर नागरिक आज दुखी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में माताएं और बहनें खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं और बदलाव अब अनिवार्य हो गया है।प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत जय मां काली से की और लिखा कि कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल का भाग्य तय होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।केंद्र की योजनाओं का हवाला- प्रधानमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग जन-धन योजना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालय बने। उज्ज्वला योजना के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को गैस कनेक्शन मिला। अटल पेंशन योजना से 56 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए। किसान सम्मान निधि के तहत 52 लाख से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता दी गई। छोटे व्यापारियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए गए।शासन और तुष्टिकरण का आरोप- पीएम मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास में अग्रणी था, लेकिन अब स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति को राज्य की गिरती हालत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवा पलायन कर रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। घुसपैठ और हिंसा का मुद्दा- प्रधानमंत्री ने अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरती आज अराजकता में फंसी है। उन्होंने नकली वोटरों का भी जिक्र किया और कहा कि राज्य को अंधकार से बाहर निकालना जरूरी है। परिवर्तन का आह्वान- पत्र के अंत में प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से बदलाव के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से देश के कई राज्यों में जीवन स्तर सुधरा है और पश्चिम बंगाल भी विकास का हकदार है। उन्होंने दोहराया कि अब समय आ गया है कि राज्य विकास और सुशासन की राह चुने।

शंकराचार्य पर लगे पास्को पर गरमाई प्रदेश की राजनीति, कांग्रेस लिखेगी पीएम मोदी को पत्र; भाजपा ने दिया जवाब

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इस मामले में कांग्रेस ने पीएम मोदी को पत्र लिखने की बात कही है।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। मांग की है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विरुद्ध दर्ज पॉक्सो प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाए। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सत्ता के हंटर से संतों की आवाज़ दबाने की कोशिश की जा रही है। इसे तत्काल बंद किया जाए। उन्हों कहा कि शंकराचार्य पर यह कार्रवाई तब हुई जब उन्होंने कुंभ मेले की अव्यवस्थाओं पर प्रदेश सरकार को घेरा था। यह सीधे तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध की बू देता है। कांग्रेस का स्पष्ट मानना है कि अनुच्छेद 25-26 के तहत मिली धार्मिक स्वायत्तता और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा है कि किसी भी आध्यात्मिक पद की गरिमा को सियासी रंजिश का हथियार बनाना लोकतंत्र और संविधान, दोनों के खिलाफ है। इसलिए पूरे मामले में किसी स्वतंत्र या केंद्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए। ताकि हकीकत सामने आ सके।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर केस दर्ज कराने वाले शाकुंभरी पीठाधीश्वर के आशुतोष ब्रह्मचारी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार 20 साल पुरानी घटना खोज कर लाई है। इसका मकसद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को अपमानित करना है। अगर शिकायतकर्ता स्वामी रामभद्राचार्य का शिष्य है तो मुझसे गलती हुई। मैंने रामभद्राचार्य पर दर्ज केस वापस लिया था। मुझे उनको जेल भेज देना चाहिए था।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने उपमुख्यमंत्री को 100 विधायक लाकर मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया था। उन्होंने कहा कि अखिलेश का बयान उनकी हताशा, निराशा और राजनीतिक दिवालियापन को दर्शाता है। पंकज चौधरी ने कहा कि सपा नेताओं को अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। उनका जनाधार घट रहा है और संगठन कमजोर हो रहा है। सपा में केवल परिवारवाद और अंतर्कलह ही दिखाई देता है। विपक्ष के पास जनहित के मुद्दे नहीं बचे हैं, इसलिए वह ऐसे बयान देकर सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहा है। सपा मुखिया को समझना चाहिए

सीएम योगी ने कौशल प्रशिक्षण प्रस्तुति का किया अवलोकन, प्रशिक्षण परिसर का भ्रमण किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ सिंगापुर दौरे पर हैं। इस अवसर पर उन्होंने आईटीई कॉलेज सेंट्रल, सिंगापुर में आईटीई द्वारा कौशल विकास एवं प्रशिक्षण विषयक विस्तृत प्रस्तुति का अवलोकन किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आईटीई कॉलेज सेंट्रल, सिंगापुर में आईटीई द्वारा कौशल विकास एवं प्रशिक्षण विषयक विस्तृत प्रस्तुति का अवलोकन किया एवं कॉलेज के अत्याधुनिक प्रशिक्षण परिसरों का भ्रमण किया।इस अवसर पर तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, एविएशन स्किल्स एवं उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने हेतु महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (रूश्वह्व) पर हस्ताक्षर संपन्न हुए। यह पहल उत्तर प्रदेश में तीव्र गति से विकसित हो रहे आधारभूत ढांचे एवं रोजगार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त समर्थन प्रदान करेगी।इस दौरान इन समझौतों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए उनके शीघ्र एवं सफल क्रियान्वयन का आश्वासन दिया गया। इसके उपरांत परिसर एवं एविएशन हब की अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन कर उद्योग-एकीकृत कौशल विकास के उन्नत एवं व्यवहारिक मॉडलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

संपादकीय Editorial

Rewadi Khata Khata, Votes Quickly

A judicial bench headed by Chief Justice Surya Kant of the Supreme Court has issued a scathing remark on "freebies," or "rewadis," expressing concern that they will hinder the country's economic development. Questions have also been raised as to why political parties and governments announce freebies just before elections. Many state governments are facing heavy debt and losses, yet why are they distributing freebies? If governments continue to distribute freebies, such as free money, free electricity, and free food, who will bear the costs? The Chief Justice has stated that the burden of distributing freebies will ultimately fall on taxpayers. If "rewadis" continue to be distributed, who will work? What kind of culture are we creating? Governments should focus more on job creation rather than "freebies." If someone cannot afford education and basic living expenses, it is the government's responsibility to provide them with facilities. However, the "freebies" are going into the pockets of those who are enjoying themselves. Shouldn't governments pay attention to this? However, the Supreme Court has made a verbal comment, and political party spokespersons are claiming they are not bound to obey the Supreme Court. These are not "freebies," but welfare schemes. We are a welfare democracy, and it is our duty to help the public. Therefore, with apologies, we also ask the Supreme Court: why does it make verbal comments? What good is merely expressing concern? The Constitution has granted the Supreme Court special privileges, and the court has used them to issue judgments. So, why can't orders be issued against freebies? The court should give clear instructions to governments regarding when to announce schemes before elections. It should also define "freebies." The reality is that the country's states have a total debt of over 104 lakh crore rupees. The country also has a debt of ?200.50 lakh crore. Some experts estimate it to be closer to ?225 lakh crore. Despite this, freebies are being distributed. Prime Minister Modi has stated on numerous occasions that the common man does not seek freebies. Freebies are dangerous for the country's development and can destroy the economy. Despite these statements, the Prime Minister-led NDA distributed freebies worth ?10,000 each to women in Bihar and secured a significant number of votes. Bihar is in debt of ?3.61 lakh crore. It was under the Prime Minister's leadership that the strategy of distributing freebies quickly would garner votes. Ironically, neither the Election Commission nor the Supreme Court has commented on this freebie. The ugly and frightening picture of the country is that approximately 57 percent of women in the 15-49 age group are anemic. If the fetus takes shape in the mother's womb at this stage, the child's brain will not develop. Nearly 35 percent of children under the age of five are severely malnourished. The country's health budget still stands at 2 percent of GDP, when it should be around 5.2 percent. Another example of corruption and inefficiency is that a budget of ?67,000 crore was allocated for the Jal Jeevan Mission, but only ?17,000 crore will be spent by March 2026. A ?120 crore scam has been exposed in Gujarat, the Prime Minister's home state. Similar discrepancies have also surfaced in some other states. In such a country, "rewadis" are considered a means of livelihood. Tamil Nadu, from where the petition was filed in the Supreme Court, is in debt of ?10.42 lakh crore. Bengal is in debt of ?7.90 lakh crore, and Kerala is in debt of ?5.04 lakh crore. Elections are due in these states after April this year.

The self-respect of mother tongues must be nurtured; the original civilization perishes with the language.

International Mother Language Day is celebrated every year on February 21st, inspiring a pledge to preserve languages. It originated with the Language Movement in Bangladesh. Mother tongue is the foundation of identity and culture, but globalization is leading to the extinction of many languages. disappears every two emphasized the children's education. promotes this. Every year, dream to restore the confidence of mother UNESCO declared this Day. This proves that we protecting different celebrating International Language Movement of Pakistan imposed Urdu. University students and February 21, 1952. Police

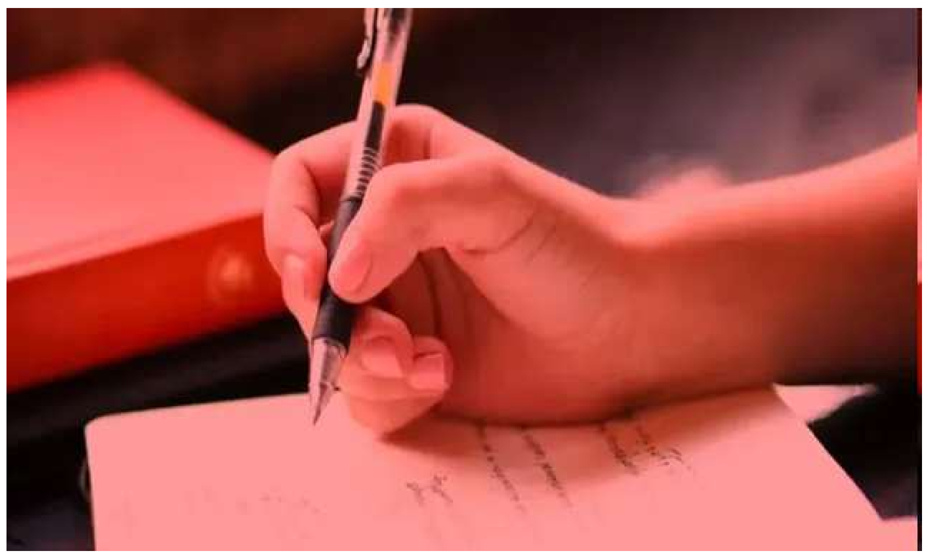

According to UNESCO, one language weeks. Gandhiji, Tagore, and Kalam also importance of mother tongue in India's new education policy also February 21st brings a pledge and a wounded self-respect and lost self-tongues around the world. In 1999, date as International Mother Language can preserve cultural diversity only by languages. The background of Mother Language Day lies in the Bengali East Pakistan (now Bangladesh), where Dissatisfied with this decision, Dhaka some social organizations protested on opened fire on the protesters, killing several students. In memory of these students, UNESCO declared this day as International Mother Language Day in 1999. It defined mother tongue not as mother tongue, but as mother language. That is, your native language, which can also be called your primary language. This language is the foundation for the formation of our identity and our mental personality. Mother tongue is important because every language has socio-cultural sources. Language connects us to our history, myths, and traditions. This connection becomes a collective identity, becoming extremely valuable. The heartbeat of our culture resides in the concepts, myths, images, and suffixes of our language. But ironically, in the new global landscape and rapidly changing circumstances, many languages ??are struggling for their survival. In this new era of communication, the concept of a "world model" of a common culture, common civilization, and common interests, while erasing cultural diversity and other variations, has posed challenges to the languages ??of developing and underdeveloped countries. Many languages ??around the world are facing a serious threat. Many are on the verge of extinction. UNESCO concludes that one language disappears every two weeks. Soon, a time will come when approximately 1,500 languages ??will cease to be used due to lack of users. When a language dies, an original culture and an original civilization will disappear with it.

The best medium of education for children is their mother tongue. Children learn quickly in their mother tongue, but it is a matter of concern that 40 percent of children worldwide are unable to receive education in the language they speak and understand at home. The theme of this year's International Mother Language Day is "The role of youth in the future of multilingual education." Gandhiji considered the mother tongue as essential for children's mental development as mother's milk is for physical development. Rabindranath Tagore stated that if science is to be made accessible to the masses, it should be taught through the mother tongue. Advocating for the mother tongue to be the medium of instruction, he stated that our minds open to the light of knowledge and the essence of emotion at the age of 13-14. If, at that very age, we are forced to memorize the grammar and vocabulary of a foreign language, how can they remain strong? It is worth noting that Tagore was educated in England through the English medium. When he conceived Visva-Bharati University, he chose Bengali as the medium of instruction. Former President Dr. APJ Abdul Kalam is a powerful example of how education in one's mother tongue can lead to success. He said, "I became a good scientist because I received mathematics and science education in my mother tongue, Tamil." It is a good thing that the Government of India has taken initiative in this direction through the National Education Policy 2020. The implementation of mother tongue-based multilingual education for elementary education has strengthened the education system. Many prosperous countries in the world have achieved progress through their mother tongues. Scientists have established that the 20 leading countries in the world in terms of GDP conduct all their work in their mother tongues. The commitment of the people of Japan, Germany, and France to their mother tongues is well known. We must understand that language is the mint of human culture. Every language in the world holds within itself the story of a culture. Every language is full of infinite possibilities for word creation. Therefore, the self-respect of mother tongues must be nurtured. It is the responsibility of all Indians to take meaningful steps towards the preservation of mother tongues to preserve the beauty of our country's linguistic diversity. We must instill in the younger generation the resolve to consider their mother tongue as a shield of existence and not let its power and strength be forgotten.

The US Supreme Court has put a stop to Trump's arbitrariness.

The US Supreme Court has declared the tariffs imposed by President Trump on several countries, including India, illegal, thus putting a stop to his arbitrariness. This decision is a major political blow for Trump, especially ahead of the midterm elections. However, Trump immediately issued an imposing a 10% tariff. The Trump could take India must be cautious. The has declared Trump's tariffs political blow for Trump, elections. India must be unpredictable policies. who boasted of "I love favorite word," has been put Supreme Court. It has imposed by the US President including India, illegal. Supreme Court judges, deemed Trump's tariff policy jurisdiction. This shows how blatantly disregarding the when it comes to tariffs. This decision not only undermines but also weakens him

executive order article warns that unexpected steps, and US Supreme Court illegal. This is a ahead of the midterm cautious of Trump's President Trump, tariffs" and "that's my to rest by the US declared the tariffs on several countries, Notably, even the two appointed by him, beyond their Trump has been rules and regulations Supreme Court Trump's tariff policy politically, as he has been caught committing an illegal act. Trump, through his tariff policy, was trying to create an atmosphere among his supporters that he was making America prosperous, but now they too will feel betrayed, especially at a time when the US midterm elections are approaching. The Supreme Court's decision will further erode Trump's waning popularity and may cause him political losses. However, it is certain that he will not rest easy. A proof of this is that just hours after the Supreme Court's decision, he issued an executive order imposing a 10 percent tariff on all countries. Although the duration of this order will be only five months, Trump may try to resort to other measures in the meantime. Trump may impose additional tariffs on certain countries, accusing them of unfair and discriminatory trade practices with the US. Similarly, tariffs can be raised on imports that pose a threat to US security. However, to implement these measures, they must prove through investigation that certain countries are actually pursuing unfair trade policies or exporting products that pose a threat to US security. Because Trump is preoccupied with pursuing his own interests and enhancing his image under the guise of making America great again, he may make arbitrary, unpredictable, and globally problematic decisions on matters other than tariffs. To distract his people, he may attack Iran, which he is already engaged in encircling. He may also turn his attention to Cuba and some other countries. In any case, India will have to remain wary of him even after an interim trade agreement is reached with the US, as he is no longer trustworthy.

नवीन मंडी स्थल पर छापा, 8.25 लाख का खजूर सीज, खाद्य सुरक्षा विभाग ने की कार्रवाई

मुरादाबाद । रमजान व होली के दौरान जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ रविवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नवीन मंडी स्थल में छापेमारी करने के अलावा बिलारी में भी दुकान की जांच की। मंडी में लोकल खजूर को कर लोगों को चूना लगाने की शिकायत का खजूर सीज कर दिया। वहीं बिलारी में दौरान 168 लीटर सरसों का तेल जब्त अफरा तफरी मच गई।सहायक आयुक्त खाद्य में टीम नवीन मंडी स्थल पहुंची। यहां पर खजूर को महंगे दाम पर बेचने के लिए में भरकर बेचने की शिकायत विभाग को निर्देश पर टीम की छापेमारी से मंडी में ईशा डेट्स कंपनी पर छापेमारी में खजूर के 1500 किलो खजूर जिसका मूल्य सीज किया। इसके अलावा टीम ने मेसर्स छापेमारी में खजूर के दो नमूने लिए और 5,12,400 रुपये और 828 किलोग्राम 2,07,000 को सीज कर दिया। नमूनों को भेजा। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन टीम में यादव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा राजवंश प्रकाश स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा

कई ब्रांडेड कंपनी के नाम पैकिंग पर टीम ने सवा आठ लाख कीमत एक प्रतिष्ठान पर छापेमारी के किया। कार्रवाई से दुकानदारों में सुरक्षा राजवंश प्रकाश के नेतृत्व कुछ कारोबारियों के द्वारा लोकल नामी ब्रांडेड कंपनियों के पैकिंग मिली थी। जिलाधिकारी के हड़कंप मच गया। टीम ने मेसर्स दो नमूने लिए। साथ ही लगभग 1,05,000 रुपये बताया गया को अल वदूद डेट्स के प्रतिष्ठान पर 7320 किलोग्राम मूल्य कीमिया गोल्ड ब्रांड खजूर मूल्य जांच के लिए टीम ने प्रयोगशाला कमलेश कुमार, कृष्ण गोपाल भूपेंद्र सिंह आदि शामिल रहे। श्रीवास्तव ने बताया कि जन नहीं जाएगा। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी। बिलारी में 168 लीटर सरसों का तेल जब्त किया ,इसके अलावा प्रवर्तन दल ने एक अन्य स्थान बिलारी में मेसर्स गोपाल की दुकान पर छापेमारी की। यहां से सरसों के तेल का नमूना लेने के बाद 168 लीटर सरसों का तेल सीज किया, जिसकी अनुमानित कीमत 28,560 रुपये बताई गई।

एएसआई के वकील बोले बिना अदालत की इजाजत नहीं होगी रंगाई पुताई

मुरादाबाद । विवादित धार्मिक स्थल श्री हरिहर मंदिर बनाम शाही जामा मस्जिद परिसर की रंगाई-पुताई को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है।

मस्जिद इंतजामिया कमेटी और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिवक्ता ने इस मुद्दे पर अपने-अपने पक्ष रखे हैं। अधिवक्ता विष्णु शर्मा ने कहा कि मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है और निचली अदालत की कार्रवाई पर रोक लगी हुई है। ऐसे में बिना न्यायालय के स्पष्ट आदेश के कोई भी रंगाई-पुताई नहीं कराई जा सकती। उन्होंने बताया कि पिछली बार उच्च न्यायालय के आदेश पर एएसआई की देखरेख में बाहरी हिस्से की रंगाई-पुताई कराई गई थी। यदि भविष्य में कार्य होगा तो वह भी न्यायालय के निर्देशानुसार एएसआई द्वारा ही कराया जाएगा। वहीं मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली एडवोकेट का कहना है कि मस्जिद में वर्षों से रमजान माह में नियमित रूप से साफ-सफाई और रंगाई-पुताई होती रही है। इस संबंध में एएसआई को रजिस्टर्ड डाक और ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर अंदरूनी हिस्से की भी पुताई की अनुमति मांगी गई है। उनका कहना है कि बारिश और धूल के कारण पूर्व में कराई गई पुताई खराब हो चुकी है।

आठ झांकियां, ढोल-बैंड और ब्रज की लट्ठमार होली का रहेगा आकर्षण

मुरादाबाद । राष्ट्रीय पर्व होली समिति की ओर से 27 फरवरी को 88वीं रंग एकादशी शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। इस बार शोभायात्रा में राधा-कृष्ण की फूलों की होली, लट्ठमार होली और महादेव की बारात विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरने वाली इस यात्रा के स्वागत की तैयारियां संगठनों ने की है। शोभायात्रा का आरंभ दोपहर दो बजे खत्री धर्मशाला, बाजीगरान से होगा। इसके बाद यह मंडी चौक, अमरोहा गेट, चौमुखापुल, गंज गुरहट्टी चौराहा, ताड़ीखाना का चौराहा

होते हुए बुध बाजार पुलिस चौकी पर पहुंचकर संपन्न होगी। मार्ग में पुष्पवर्षा, रंग-गुलाल और शीतल पेय वितरण की व्यवस्था रहेगी। समिति अध्यक्ष आरके टंडन ने बताया कि कार्यक्रम की अनुमति के लिए जिला व पुलिस प्रशासन से पत्राचार जारी है। यात्रा को शांतिपूर्ण, भव्य और पारंपरिक स्वरूप देने के लिए स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई जा रही है।राधा-कृष्ण की होली से बरसेगा रंग- शोभायात्रा में राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी के साथ ब्रज की लट्ठमार होली का जीवंत मंचन किया जाएगा। कलाकार पारंपरिक ब्रज की वेशभूषा में फाग गीतों पर रंग-गुलाल उड़ाते हुए श्रद्धालुओं को वृंदावन की होली का अहसास कराएंगे। श्रद्धालु भी इस झांकी के दर्शन कर भावविभोर होंगे। महादेव की बरात का अद्भुत स्वरूप- महादेव की बरात की झांकी शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहेगी। शिव, पार्वती, गणों और भूत-प्रेत स्वरूपों के साथ सजी बारात भक्तों का ध्यान खींचेगी। ढोल-नगाड़ों की थाप पर निकलेगी यह झांकी उत्सव में आध्यात्मिक रंग घोलेगी। ये रहेंगे अन्य आकर्षण, 87 साल से चल रही परंपरा- इस शोभायात्रा की शुरुआत वर्ष 1939 में स्वर्गीय विशंभर नाथ टंडन ने की थी। 88वें वर्ष में प्रवेश कर रही यह परंपरा शहर की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। इस बार शोभायात्रा में आठ आकर्षक झांकियों के साथ छह ढोल, दो बैंड और चार घोड़ों पर सवार पारंपरिक स्वरूप शोभायात्रा में शामिल होंगे।

दर्दनाक हादसा: यूपी बोर्ड परीक्षा देने जा रहे तीन छात्रों की ट्रैक्टर की चपेट में आकर मौत

टांडा थाना क्षेत्र के सरकथल के पास सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यूपी बोर्ड बोर्ड परीक्षा देने जा रहे 10वीं के दो छात्रों मनु, अरुण सैनी और विनय शर्मा की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से

मौत हो गई। जिसमें एक अन्य छात्र विनीत गंभीर रूप से घायल हो गया। रेनबो इंटर कॉलेज के 10वीं कक्षा के चार छात्र विनीत पुत्र ज्ञान सिंह, विनय शर्मा पुत्र पुष्पेंद्र शर्मा, मनु चौहान पुत्र अमित चौहान निवासी फत्ता वाला और अरुण सैनी पुत्र भगवान दास निवासी मझोला लाइन पार मुरादाबाद सनराइज इंटर कॉलेज टांडा में बोर्ड परीक्षा देने जा रहे थे। क्षत्रिय कुलभूषण इंटर कॉलेज सरकथल के सामने उनकी बाइक की ट्रैक्टर-ट्रॉली से भीषण टक्कर हो गई। दुर्घटना की सूचना तुरंत 108 एम्बुलेंस को दी गई। घायलों को तुरंत टांडा सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मनु चौहान, अरुण सैनी और विनय शर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं विनीत को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रामपुर रेफर कर दिया है। मृतक अरुण सैनी अपने मामा के यहां रहकर पढ़ाई कर रहा था। इस हृदय विदारक घटना के बाद परिवारों में कोहराम मच गया है। सूचना मिलने पर सभी के परिजन जिला अस्पताल में मोर्चरी पर पहुंच गए हैं।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बूथों पर जुटे लोग

रामपुर। एसआईआर के तहत रविवार को बूथों पर वोटर बनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी, वहीं बीएलओ ने बूथों पर मतदाताओं के नाम पढ़कर सुनाए। इस दौरान तमाम लोगों ने फॉर्म छह भरकर नाम जुड़वाने की कवायद की। अफसरों ने भी इस दौरान बूथों का निरीक्षण कियालोकसभा व विधानसभा चुनाव के लिए इन दिनों मतदाता सूचियों का वृहद पुनरीक्षण अभियान चला रहा है। इसके तहत रविवार को मतदाता सूचियों को पढ़ने का काम किया गया। शहर से लेकर गांवों तक बूथों पर मतदाता नजर आए। यहां पर बूथों पर लोगों की भीड़ देखी गई।शहर के विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मुर्तजा इंटर कॉलेज, राजकीय बॉकर इंटर कॉलेज, रफत मांटेसरी स्कूल, रजा इंटर कॉलेज, जिला पंचायत कार्यालय समेत अन्य स्थानों पर भीड़ देखी गई। यहां काफी संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने फार्म भरे। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप कुमार वर्मा ने विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान नेहरू इंटर कन्या कॉलेज, मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय संविलियन बेनजीरपुरा तथा राजकीय मुर्तजा इंटर कॉलेज का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान मतदाता सूची के अद्यतन कार्य, बीएलओ की उपस्थिति, आवश्यक प्रपत्रों की उपलब्धता तथा निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक कर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन संबंधी कार्य समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, तीन छात्रों ने तोड़ दिया दम

रामपुर में परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। इसमें तीन छात्रों की जान चली गई। एक गंभीर

रूप से जख्मी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रामपुर जिले में हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे चार छात्रों को टांडा क्षेत्र के दढ़ियाल मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद क्षेत्र में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके से बाइक को कब्जे में ले लिया है।बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह चारों छात्र दढ़ियाल से टांडा परीक्षा केंद्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। पीछे से आ रहे बाइक सवार छात्र संभल नहीं सके और ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा भिड़े। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।उनकी पहचान अरुण, विनय और मनु के रूप में हुई है। घायल छात्र का नाम बादल बताया गया है। उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अरुण मूल रूप से मुरादाबाद का रहने वाला था और फत्तावाला में अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। विनय और मनु दढ़ियाल क्षेत्र के निवासी थे। दोनों पड़ोसी और किसान परिवार से थे। एक साथ परीक्षा देने निकले दोस्तों की मौत से गांव में मातम पसरा है। घटनास्थल से पुलिस को एक दुर्घटनाग्रस्त बाइक मिली है। अब पुलिस इस बिंदु की जांच कर रही है कि चारों छात्र एक ही बाइक पर सवार थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी कब्जे में लिया गया है। उसके चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

अमरोहा में भाजपा विधायक की कार में पथराव, शराब के नशे में जमकर बवाल, चौकी प्रभारी समेत तीन निलंबित

मंडी धनौरा विधायक की कार में कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इससे मौके पर जमकर हंगामा हो गया। एसपी ने चौकी प्रभारी समेत तीन कर्मियों को निलंबित कर दिया। अमरोहा मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर भाजपा विधायक राजीव तरारा की कार से बाइक टकराने के बाद हुए हंगामे में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही मानते हुए कस्बा चौकी इंचार्ज जुगल किशोर, वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश मौर्य और लेपर्ड पर तैनात सिपाही अंकुश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।उधर विधायक की ओर से हत्या के प्रयास और लूट की धाराओं में तहरीर थाने में दी गई है। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। विधायक राजीव तरारा अमरोहा की ओर जा रहे थे। रेलवे फाटक के पास उनकी कार में पीछे से एक बाइक आकर टकरा गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद विधायक के सुरक्षाकर्मी वाहन से बाहर आए और बाइक सवार युवकों से विरोध जताया। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि सुरक्षाकर्मी के एक युवक को थप्पड़ मारने पर विवाद बढ़ गया और मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। विधायक का कहना है कि युवकों ने उनकी कार पर पीछे से पत्थर फेंके और ड्यूटी पर तैनात सिपाही की कार्बाइन छीनने की कोशिश की। घटना से कुछ देर के लिए रेलवे फाटक के पास अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश मौर्य ने पत्थर फेंकने की बात से इनकार करते हुए कहा कि दोनों युवक शराब के नशे में थे और वहां हंगामा कर रहे थे। हालांकि विधायक ने अपने साथ हुई घटना को गंभीर बताते हुए हत्या के प्रयास और लूट की तहरीर थाने में दी है। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और उसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता और प्रारंभिक स्तर पर पुलिस की भूमिका को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कैंसर में कब और क्यों जरूरी होती है सर्जरी, जानें सही समय और सही इलाज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली~ भारत में पिछले दो दशकों में कैंसर के इलाज में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आज कैंसर के उपचार में सर्जरी एक महत्वपूर्ण और प्रभावी विकल्प है, जिसे मरीज की बीमारी की अवस्था और प्रकार के अनुसार अलग-अलग तरीकों से अपनाया जाता है। आम तौर पर सर्जरी तीन स्थितियों में की जाती है–पहला, जब यह मुख्य और अंतिम उपचार के रूप में पर्याप्त हो; दूसरा, जब इसे कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी के साथ मिलाकर किया जाए; और तीसरा, जब रोग बहुत उन्नत अवस्था में हो और सर्जरी का उद्देश्य लक्षणों से राहत देना हो। प्रारंभिक अवस्था के कैंसर में सर्जरी अक्सर निर्णायक उपचार साबित होती है। ऐसे मामलों में केवल ऑपरेशन से ही मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। विशेष रूप से स्क्रीनिंग के माध्यम से शुरुआती चरण में पकड़े गए कैंसर के परिणाम सर्जरी के बाद अत्यंत अच्छे होते हैं। आजकल स्तन, मुखगुहा, गर्भाशय, अंडाशय और कोलन के शुरुआती कैंसर का उपचार लैप्रोस्कोपिक या रोबोटिक जैसी मिनिमली इनवेसिव तकनीकों से किया जा रहा है, जिससे कम रक्तस्राव, कम दर्द और तेजी से रिकवरी संभव होती है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. प्रतीक वार्ष्णेय ने बताया स्तन, मुख और गर्दन के कैंसर में रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी ने न केवल कार्यात्मक बल्कि कॉस्मेटिक परिणामों को भी बेहतर बनाया है। ओरल कैंसर में फ्री फ्लैप सर्जरी से मरीजों की बोलने और खाने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार आया है। इसी तरह शुरुआती स्तन कैंसर में ऑनकोप्लास्टिक सर्जरी से बेहतर सौंदर्य परिणाम मिल रहे हैं। पेट से जुड़े शुरुआती कैंसर जैसे कोलन, गर्भाशय और अंडाशय में कीहोल सर्जरी (लैप्रोस्कोपिक या रोबोटिक) ने उपचार के परिणामों को काफी बेहतर किया है। जब कैंसर स्थानीय रूप से उन्नत अवस्था में होता है, तब सर्जरी से पहले कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी दी जाती है, ताकि ट्यूमर का आकार कम हो सके और ऑपरेशन संभव हो पाए। इस तरह के संयोजन उपचार से इसोफेगस, पेट, रेक्टम और फेफड़ों के कैंसर में बेहतर परिणाम देखे गए हैं। स्त्री रोग संबंधी कैंसर, विशेषकर अंडाशय के कैंसर में, प्री-ऑपरेटिव कीमोथेरेपी या इम्यूनोथेरेपी/टारगेटेड थेरेपी के माध्यम से ट्यूमर को छोटा कर सर्जरी योग्य बनाया जा सकता है। कुछ मामलों में HIPEC (हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी) के रूप में सर्जरी और कीमोथेरेपी को एक साथ भी किया जाता है, जिससे पेट के अंदर फैले कैंसर में लाभ मिलता है। अत्यधिक उन्नत या मेटास्टेटिक कैंसर में सर्जरी का उद्देश्य रोग को पूरी तरह खत्म करना नहीं, बल्कि मरीज को राहत देना होता है। ऐसे मामलों में भोजन में रुकावट, आंतों में अवरोध या असहनीय दर्द जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए सर्जरी की जाती है। कभी-कभी आंतों के अवरोध को दूर करने के लिए बाईपास सर्जरी करनी पड़ती है। हाल के वर्षों में PIPAC (इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी) जैसी एडवांस प्रक्रिया भी उन्नत पेट के कैंसर में सहायक साबित हो रही है। निष्कर्षत:, कैंसर में सर्जरी की भूमिका मरीज की स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। आधुनिक तकनीक ने उपचार को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाया है, लेकिन अंतत: सही निर्णय लेने में सर्जन का अनुभव और विशेषज्ञता ही सबसे महत्वपूर्ण होती है, ताकि हर मरीज को उसकी बीमारी के अनुसार सर्वोत्तम उपचार मिल सके।

पांच सड़कों के चौड़ीकरण के लिए काटे जाएंगे दो हजार से अधिक पेड़

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले की पांच सड़कों के चौड़ीकरण के लिए हरियाली पर आरी चलेगी। कुल 2,112 पेड़ काटे जाएंगे। बिजली के 1,016 खंभों को भी शिफ्ट किया जाएगा। सड़कों के टेंडर हो चुके हैं। पेड़ों की कटाई का काम वन विभाग को व बिजली के खंभों की शिफ्टिंग का काम विद्युत निगम को दे दिया गया है। पीडब्ल्यूडी 66.51 करोड़ रुपये की लागत से इन सड़कों का चौड़ीकरण कराएगा। राज्य सड़क निधि योजना के तहत मिर्जापुर से नरखेड़ा मंडवा वंशीपुर होते हुए आनंदपुर मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण किया जाना है। 12.57 किमी मार्ग को 26.39 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। पेड़ों की कटाई व बिजली के खंभों की शिफ्टिंग पर 93 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। यहां 636 पेड़ काटे जाएंगे, जबकि 365 खंभों को हटाया जाएगा। फरीदपुर बीसलपुर मार्ग से रसूला चौराहे से ककरा कला होते हुए रम्पुरा प्रवीण मार्ग के चौड़ीकरण (13.30 किमी) पर 27.88 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यहां 491 पेड़ों को काटा जाएगा। 304 खंभे शिफ्ट किए जाएंगे। बरेली जिले की पांच सड़कों का चौड़ीकरण होना है। इन सड़कों के दोनों तरफ खड़े पेड़ों को काटा जाएगा। पेड़ों की संख्या दो हजार से अधिक है। बिजली के खंभे भी शिफ्ट किए जाएंगे। बरेली जिले की पांच सड़कों के चौड़ीकरण के लिए हरियाली पर आरी चलेगी। कुल 2,112 पेड़ काटे जाएंगे। बिजली के 1,016 खंभों को भी शिफ्ट किया जाएगा। सड़कों के टेंडर हो चुके हैं। पेड़ों की कटाई का काम वन विभाग को व बिजली के खंभों की शिफ्टिंग का काम विद्युत निगम को दे दिया गया है। पीडब्ल्यूडी 66.51 करोड़ रुपये की लागत से इन सड़कों का चौड़ीकरण कराएगा। आंवला-बदायूं मार्ग का भी होगा चौड़ीकरण - आंवला से उसैला मार्ग (5.81 किमी) का चौड़ीकरण 11.87 करोड़ की लागत से कराया जाएगा। इस मार्ग पर 203 पेड़ काटे जाएंगे और 135 खंभे शिफ्ट किए जाएंगे। आंवला बदायूं मार्ग के आठ किमी हिस्से के चौड़ीकरण पर 14.41 करोड़ खर्च होंगे। यहां 690 पेड़ काटे जाएंगे और 84 खंभों को शिफ्ट किया जाएगा। इंडस्ट्री लाजिस्टिक पार्क योजना से आंवला रेलवे पोषक मार्ग के चौड़ीकरण पर 9.72 करोड़ खर्च होंगे। यहां 92 पेड़ काटे जाएंगे और 128 खंभे शिफ्ट किए जाएंगे। वन निगम से मिली एनओसी, विद्युत निगम को दिया खर्च ,इन पांच मार्गों पर पेड़ों की कटाई के लिए वन विभाग ने वन निगम से एनओसी ले रखी है। जल्दी ही पेड़ों की कटाई शुरू की जाएगी। बिजली के खंभों को शिफ्ट करने के लिए पीडब्ल्यूडी की तरफ से विद्युत निगम को बजट दे दिया गया है। पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड प्रथम के अधिशासी अभियंता राजीव अग्रवाल ने बताया कि पांचों सड़कों के चौड़ीकरण में दो हजार से अधिक पेड़ काटे जाएंगे और एक हजार से अधिक बिजली के खंभे शिफ्ट किए जाएंगे। कटने वाले पेड़ों के बदले दूसरी जगह पौधरोपण के लिए रकम जमा कर दी गई है। सड़कों के लिए टेंडर हो चुके हैं। जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

14 मार्च, 2026 लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, बैंक लोन इत्यादि जैसे विवादों का किया जाएगा निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बरेली प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 14 मार्च, 2026 शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अपर जिला जज उमाशंकर कहार, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, द्वारा बताया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लघु प्रकृति के वाद, चलानी वाद, 138 एन आई एक्ट के वाद, पारिवारिक मामलों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के वाद और बैंक संबंधी लोन के विवादों का निस्तारण सुलह समझौता एवं अभीस्वीकृति के आधार पर किया जा सकता है। 11 मार्च, 2026 से 13 मार्च, 2026 तक लग रही है विशेष लोक अदालत अपर सिविल जज (सी.डि.) श्रीमती जया प्रियदर्शिनी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली ने बताया कि जनपद बरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व तीन दिवसीय विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लघु आपराधिक वादों के निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। सभी न्यायालयों द्वारा लघु आपराधिक मामलों के निस्तारण के लिए वादों का चयन किया गया है, जिनका सफल निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली सचिव द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि तीन दिवसीय विशेष लोक अदालत और राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने वादों का सफल निस्तारण कराएं। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली द्वारा यह भी बताया गया कि उपरोक्त लोक अदालतों को सफल बनाने के लिए लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्राधिकरण द्वारा नामित सभी पराविधिक स्वयंसेवकों की नियुक्ति अलग-अलग तहसील, ब्लॉक एवं शहरी क्षेत्रों मे की गई है, जिससे आम जनता को लोक अदालत के प्रति जागरूक किया जा सके और लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।

किप्स स्वीट्स और दीनानाथ लस्सी से लड्डू और दही के नमूने भरे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध छापामारी अभियान जारी रखा। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षत गोयल के नेतृत्व में टीमों ने विभिन्न स्थानों के प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सीबीगंज बंडिया से अर्श किराना स्टोर से बेसन, सिविल लाइंस स्थित किप्स स्वीट्स से लड्डू, नैनीताल रोड भोजीपुरा में अर्श किराना स्टोर से अमूल प्योर घी, स्टेशन रोड पर स्वर्ण टावर होटल के सामने से गुप्ता जी डेयरी प्रोडक्ट से पनीर और नावल्टी चौराहा स्थित दीनानाथ एंड सन्स से दही का नमूना संग्रहित किया। ,मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि नमूने संग्रहित कर जांच के लिए खाद्य विश्लेषक उप्र को भेजे गए हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर आम जन मानस को सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराने एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए अभियान जारी रहेगा। पांच कारोबारियों को पंजीकरण प्रमाणपत्र सौंपे जीआईसी ऑडिटोरियम में भी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्टाल लगाकर खाद्य कारोबारियों में बेचेलाल, सुमित पाण्डेय, जितेन्द्र, इतवारी लाल व रवि कश्यप को पंजीकरण प्रमाणपत्र का वितरण किया। कार्यों एवं खाद्य कारोबार करते समय रखी जाने वाली सावधानियों के संबंध में भी जागरूक किया। जिला जज ने निरीक्षण कर विभाग के कार्यों को बहुत ही महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी बताया।

वोटर बनने को 232729 आवेदन, बूथों पर पढ़कर सुनाई मतदाता सूची

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।जनपद के सभी बूथों पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने के साथ बड़ी संख्या में ऐसे लोग पहुंचे, जिनके वोट अभी तक किसी कारण से बने नहीं हैं। उन्होंने फार्म-06 भरकर आवेदन किया। वहीं, एसआईआर के दूसरे चरण में जिलेभर में रविवार तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए सभी तहसीलों में 232729 फार्म-6 भरे गए हैं। अभी एसआईआर से छूटे लोगों के पास 6 मार्च तक अपना नाम जुड़वाने का अवसर है। एसआईआर के दूसरे चरण में जिलेभर में 22 फरवरी तक मतदाता सूचियों से नाम हटाने के लिए फार्म-7 भरकर 3531 लोगों ने आपत्तियां दर्ज करायी हैं, जबकि मतदाता सूची में दर्ज नाम में संशोधन कराने के लिए 61385 लोगों ने फार्म-8 भरा है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अभी डिस्पोजल के लिए 127250 फार्म-6, 3241 फार्म-7 और 45948 फार्म-8 लंबित हैं। 105479 फार्म-6 और 290 फार्म-7 और 127250 फार्म-8 डिस्पोज्ड हो चुके हैं। वहीं, एईआरओ के स्तर से फार्म-6 के 464 आवेदन, फार्म-7 के 137 आवेदन और 1630 आवेदन फार्म-8 के लंबित हैं। दो लाख वोट और कम हो सकते हैं जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार 579098 लोग नो मैपिंग में शामिल हैं। 578877 नोटिस जारी हुए हैं। 17 फरवरी तक 357270 नोटिस रिसीव कराए जा चुके थे। अब इसमें कुछ और जुड़ गए लेकिन अभी भी दो लाख से ज्यादा नोटिस रिसीव नहीं हुए हैं। इससे माना जा रहा है कि इतने वोट और कम हो सकते हैं।

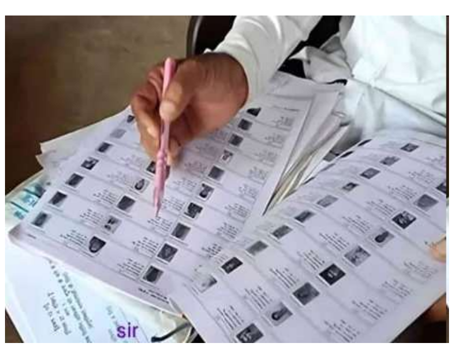

सपा सांसद नीरज मौर्य बोले...आम लोगों के मुद्दों पर प्रदेश की सरकार गंभीर नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सपा से आंवला सांसद नीरज मौर्य ने प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार जनता के मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या केंद्र के किसी मंत्री को को अपने संसदीय क्षेत्र की किसी समस्या के बारे में लिखते हैं तो उनके जवाब आते हैं। लेकिन राज्य की सरकार किसी पत्र का जवाब नहीं देती। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि योगी सरकार जनता के मुद्दों को लेकर कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एम्स मिले ये अपने आप में एक बड़ा काम होगा। उन्होंने एम्स की मांग सदन में उठाई है। प्रदेश सरकार के मंत्री कहते हैं कि वह भी प्रयास कर रहे हैं। समझ नहीं आता कि डबल इंजन सरकार होने के बावजूद उनको एम्स के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बरेली में मेडिकल केयर सेंटर बनना था, लेकिन प्रदेश सरकार ने जमीन की व्यवस्था नहीं की और एक बड़ी स्वास्थ्य की यूनिट बरेली से छिन गई ये बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। सरकार की बुलडोजर नीति को लेकर कहा कि इसको सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज किया था। अगर कहीं गलत हो भी रहा है तो नियम के अनुसार पहले नोटिस जाना चाहिए फिर उसका जवाब आना चाहिए, न्याय की यही प्रक्रिया है। अगर ऐसा नहीं हो रहा तो ये सरासर तानाशाही है। यूजीसी कानून को लेकर कहा कि सरकार ने लागू किया था, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। सरकार ने किस मंशा से लागू किया था ये बड़ा सवाल है। एसआईआर को लेकर उन्होंने कहा कि एक देश और एक वोटर लिस्ट होनी चाहिए। लेकिन फिलहाल की स्थिति में पंचायत की अलग है, नगर पालिका की अलग है विधानसभा की अलग है। अगर ये सभी सूचियां एक हो जाएं तो बड़ी समस्या हल हो जाएगी।

रामगंगा नदी में फिर उतराते मिले गोवंशीय शव, बीते माह भी दो बार में मिले थे दर्जनों शव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / शवों को कुत्तों ने नोंचा,पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद कराया अंतिम संस्कार फतेहगंज पूर्वी, बरेली । नगरिया कला ग्राम पंचायत के गांव खनी नवादा के पास रामगंगा नदी में गौवंशीय पशुओं के शव मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है।सोमवार को एक बार फिर चार गोवंशीय पशुओं के शव रामगंगा नदी में उतराते हुए मिले। इससे पहले भी बीते माह की 19 और 28 तारीख को भी दर्जनों गोवंशीय पशुओं के शव रामगंगा में उतराते हुए मिल चुके हैं।लेकिन उसके बावजूद प्रशासन आंख मूंदे हुए बैठा है और इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। सोमवार सुबह जब खनी नवादा के ग्रामीण खेतों की तरफ गए तो उन लोगों ने शवों को नदी में देखा।जिसके बाद रामगंगा नदी में बह रहे गौवंश पशुओं के वीडियो इलेक्ट्रानिक मीडिया पर शिव सोरेन व अभिषेक सिंह द्वारा प्रसारित किए गए।इलेक्ट्रानिक मीडिया फेसबुक,व्हाट्सएप व एक्स पर जब वीडियो प्रसारित हुए तो बरेली पुलिस सक्रिय हुई।और मामले से फतेहगंज पूर्वी पुलिस को अवगत कराया।जिसके बाद मामला फतेहगंज पुलिस के संज्ञान में पहुंचते ही प्रभारी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर क्राइम विकास कुमार मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।उन्होंने देखा कि 4 गौवंशीय पशु नदी व किनारे पर पड़े हुए है।उन्होंने तत्काल ही गौवंशीय पशुओं के शवों को नदी से निकलवाया।जिसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाकर गोवंशों का पोस्टमार्टम कराया गया।और जेसीबी मशीन द्वारा गड्डु खुदवाकर शवों को दफन करवाया गया। रामगंगा नदी में पड़े गोवंशीय शवों को कुत्ते व चील कोए अपना शिकार बना रहे थे।बह गोवंशीय पशुओं को नोचकर खाते हुए दिखाई दे रहे थे। प्रशासन की उदासीनता के कारण एक माह के अंदर यह तीसरी बार घटना घटित हुई है।लगातार गोवंशीय पशुओं के शव रामगंगा नदी में उतारते हुए मिल रहे हैं,लेकिन प्रशासन कोई कार्यवाही के मूड में नहीं दिख रहा है।सिर्फ पुलिस मौके पर पहुंचकर पोस्टमार्टम करवाने के बाद शवों को दफन करवा देती है।

बरेली-सितारगंज फोरलेन : भूमि अर्जन कर किसानों को 2.38 अरब रुपये बांटे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली-सितारगंज फोरलेन चौड़ीकरण परियोजना में भूमि अर्जन की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। तहसील सदर और नवाबगंज तहसीलों के 20 गांवों के हजारों किसानों की भूमि अर्जन कर उन्हें 2.38 अरब रुपये की धनराशि बांटी जा चुकी है। 5.16 करोड़ की धनराशि बंटना अवशेष है। भूमि अर्जन के साथ सड़क चौड़ीकरण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। तीन दिन पहले जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने स्टाफ मीटिंग कर जिले में बड़ी निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति भी जानी थी। मीटिंग में विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी देश दीपक सिंह की ओर से बरेली-सितारगंज फोरलेन चौड़ीकरण परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया गया था कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 74 (नया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 30) का बरेली से सितारगंज तक चौड़ीकरण होना है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार जेसीबी चालक की मौत

मिलक(रामपुर)। ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार जेसीबी चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।थाना केमरी के ग्राम मुझियाना निवासी 28 वर्षीय बिट्टू एक ईंट भट्ठे पर जेसीबी चालक थे। रविवार सुबह करीब नौ बजे वह अपनी बाइक से भट्ठे पर काम करने जा रहे थे। ग्राम रास डांडिया के पास पीछे से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। राहगीरों ने बताया कि बिट्टू सड़क पर गिर पड़े और ट्रैक्टर का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने तत्काल परिजनों को सूचना दी और घायल को मिलक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बिट्टू की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने बताया कि मृतक का विवाह करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुआ था। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। मृतक अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले थे। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी और एक छोटा भाई है। छोटा भाई गांव के ही एक स्कूल में पढ़ाई करता है। केमरी के थाना प्रभारी हिमांशु चौहान ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की टक्कर में युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला से मारपीट का आरोप, एसपी के आदेश पर रिपोर्ट

टांडा(रामपुर)। एसपी के आदेश पर थाना पुलिस ने महिला के साथ मारपीट करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है।ग्राम लांबाखेड़ा निवासी नबी अहमद ने एसपी को पत्र देकर कहा कि 15 फरवरी 2026 को बच्चों के विवाद को लेकर यूनुस पुत्र जमील और उसकी पत्नी माहेनूर से कहासुनी हुई थी, जिसे गांव के लोगों ने शांत करा दिया था। आरोप है कि 18 फरवरी को यूनुस ने नबी अहमद के साथ गाली-गलौज व मारपीट की और स्वयं 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस बुला ली, जिसके बाद पुलिस नबी अहमद को थाने ले गई। इसी दौरान उसकी गैरमौजूदगी में रात करीब 10्30 बजे यूनुस, उसकी पत्नी माहेनूर के साथ जलीस और अली अहमद लाठी-डंडों व धारदार हथियार लेकर नबी अहमद के घर में घुस आए और आरोपियों ने गाली-गलौज के बाद उसकी पत्नी अमीर जहां के साथ मारपीट की और बच्चों को भी पीटा।शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी मौके से भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस अमीर जहां को इलाज के लिए सीएचसी टांडा ले गई, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रामपुर रेफर कर दिया गया। नबी अहमद का कहना है कि उसने थाने में तहरीर दी लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। सीओ कीर्ति निधि आनंद ने बताया एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पात्रों को मिला योजनाओं का लाभ, कानून की जानकारी भी दी

रामपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पनवड़िया स्थित सद्भावना मंडप में रविवार को वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लोगों को कानून संबंधी जानकारी देने के साथ पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।शिविर का उद्घाटन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला जज भानु देव शर्मा, डीएम अजय कुमार द्विवेदी, एसपी विद्यासागर मिश्र, एडीजे प्रथम अजय कुमार दीक्षित तथा सचिव संदीप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस अवसर पर जिला जज भानु देव शर्मा ने कहा कि नि्शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। मेगा कैंप का उद्देश्य ऐसे पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना है, जो प्रक्रियाएं पूर्ण करने के बावजूद अब तक वंचित रहे हैं।इस दौरान विभिन्न विभागों के माध्यम से लाभार्थियों को योजनाओं का वितरण किया गया। कृषि विभाग ने 10 कृषकों को मूंग बीज मिनीकिट तथा एक लाभार्थी को सोलर पंप प्रदान किया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पांच पात्रों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के स्वीकृति पत्र दिए गए। समाज कल्याण विभाग ने सात लाभार्थियों को वृद्धावस्था पेंशन तथा श्रम विभाग ने छह लाभार्थियों को मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अंतर्गत 26 हजार रुपये की धनराशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए।

आकांक्षी ब्लॉक कोलारस, शिवपुरी में पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार के अंतर्गत एमएसएमई-

कोलारस स्थित जनपद विश्वकर्मा के लाभार्थियों का आयोजन किया गया। तथा जिला व्यापार एवं शिवपुरी एवं ज़िला से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम उप निदेशक राजीव कुमार हुआ। उनके निर्देशन में की गई तथा विभिन्न समन्वय सुनिश्चित किया आयोजन में जिला व्यापार सहायक प्रबंधक भावेश अविनाश जैन, मार्केटिंग सहयोग रहा। साथ ही भी कार्यक्रम के समन्वय डीएफओ, ग्वालियर द्वारा पंचायत परिसर में पीएम हेतु एक जागरूकता कार्यक्रम यह कार्यक्रम जिला प्रशासन उद्योग केन्द्र (डीटीआईसी) अग्रणी बैंक के संयुक्त सहयोग का आयोजन एमएसएमई के के समग्र मार्गदर्शन में संपन्न कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार विभागों के मध्य प्रभावी गया। कार्यक्रम के सफल एवं उद्योग केन्द्र शिवपुरी के जी, लीड बैंक काउन्सेलर फैकल्टी निरेस सेन का विशेष सौरभ एवं निकुंज शर्मा का एवं संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रावधानों, पात्रता मानदंडों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, टूलकिट प्रोत्साहन, रियायती ब्याज दर पर बिना गारंटी ऋण सुविधा, डिजिटल लेनदेन प्रोत्साहन तथा विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर योजना के अंतर्गत पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, ऋण स्वीकृति प्रक्रिया तथा कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की भूमिका के साथ ओन लाइन विपणन, मीशो पंजीकरण संबंधी विस्तृत प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम में जिले के 150 से अधिक कारीगरों एवं संभावित लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उपस्थित कारीगरों ने योजना के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा इसे अपने व्यवसाय के सुदृढ़ीकरण हेतु उपयोगी बताया। अंत में सभी विभागों एवं संबंधित अधिकारियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

पुलिस थाना अमोला द्वारा 52 ग्राम स्मैक कीमती 10 लाख 50 हजार रुपये एवं एक मोबाईल जप्त कर आरोपी राघवेन्द्र सिंह चौहान उर्फ गुड्डू 30 साल को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन मे शिवपुरी पुलिस की 'नशे' के खिलाफ कार्यवाही जारी, पुलिस थाना अमोला द्वारा 52 ग्राम स्मैक कीमती 10 लाख 50 हजार रुपये एवं एक मोबाईल जप्त कर आरोपी राघवेन्द्र सिंह चौहान उर्फ गुड्डू 30 साल को गिरफ्तार किया गया एवं

न्यायालय पेश किया। शिवपुरी् शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ प्रभारियों को अपने-अपने थाना गांजा एवं स्मैक बैचने व अन्य मे संलिप्त व्यक्तियो को गिरफ्तार अधिक कार्यवाही करने हेतु है। उक्त निर्देशो के पालन में अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले करैरा श्री आयुष जाखड़ (IPS) दिनांक 22.02.2026 को थाना उनि.अशुंल गुप्ता एवं चौकी प्रभारी उनि.अभिमन्यु सिंह राजावत को आरोपी को माननीय पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना क्षेत्र में अवैध शराब, अवैध गतिविधियों कर अधिक से निर्देशित किया गया अतिरिक्त पुलिस एवं एसडीओपी के मार्ग दर्शन में प्रभारी अमोला अमोलापठा मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई एक व्यक्ति उम्र करीबन 30 साल का अपने पेन्ट की जेब मे अबैध मादक पदार्थ स्मैक रखा हुआ है, जो नर्सरी के सामने मामौनीखुर्द रोड़ पर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। मुखविर सूचना पर से आरोपी राघवेन्द्र सिंह चौहान उर्फ गुड्डू पुत्र मोहन सिंह चौहान उम्र 30 साल नि. अमोला क्रेशर पुराना अमोला थाना अमोला जिला शिवपुरी म.प्र. के कब्जे से 52 ग्राम स्मैक कीमती 10 लाख 50 हजार रुपये एवं एक ओपो कंपनी का मोबाईल फोन कीमती 25 हजार रुपये कुल मशरुका 10 लाख 75 हजार रुपये का जप्त कर आरोपी को दिनांक 22.02.26 को गिरफ्तार कर आरोपी एवं आरोपी की पत्नि कुमकुम राजा चौहान के विरूध्द अपराध क्रमांक 31/26 धारा 8/21 एन.डी.पी.एस.एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । प्रकरण मे आरोपी के साले राजाबाबू एवं स्मैक सप्लायर के संबंध मे अनुसंधान कार्यवाही की जा रही है। आरोपी राघवेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू चौहान एक आदतन अपराधी है जिस पर कुल 05 अपराध पंजीबद्ध है, आरोपी से पूर्व में 10.37 ग्राम स्मैक जप्त कर थाना अमोला में अपराध क्र. 135/24 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध है। आरोपी को आज दिनांक को माननीय न्यायालय शिवपुरी पेश किया गया जहां से उसको जेल दाखिल किया गया। सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी अमोला उनि अंशुल गुप्ता, उनि अभिमन्यु सिंह राजावत, प्र.आर 955 भजनलाल शाक्य , प्रआर. 928 दीपक उपाध्याय आर. 98 ब्रजराज सिंह ,आर.1047 प्रदीप कुमार , आर.905 आकाश शाक्य, आर.467 कुलदीप , आर. 979 रामनरेश राठोर , आर चालक 1029 मोहित शर्मा , आर. 1178 अतर सिंह , आर. 732 संजीव श्रीवास्तव , आर. 555 हिम्मत सिंह , आर. 969 मनोज , आर.984 हीरेन्द्र सिंह , सैनिक जीतेन्द्र कलावत की सराहनीय भूमिका रही।

मेधावी की मौत: पढ़ते-पढ़ते बिगड़ी तबीयत, परीक्षा छूटने के तनाव ने ले ली छात्रा की जान; बनना चाहती थी आईएएस

छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर निजी चिकित्सक के पास पहुंचे, जहां से उसे शिकोहाबाद रेफर कर दिया गया। मगर, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में छात्रा ने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।बोर्ड परीक्षा के दबाव और परीक्षा न मझौआ निवासी इंटरमीडिएट की छात्रा सौम्या (16) की तबीयत हो गई। तीन भाइयों की अकेली बहन की मौत से परिवार में इंटर कॉलेज में बारहवीं की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार, वह पढ़ने थी। सोमवार को उसका जीव विज्ञान का पेपर था। इसके लिए उसने चाचा अनिल ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे अचानक दिखाया गया, जिसने तनाव के कारण ब्लड प्रेशर कम होने की बात बात सौम्या को गहरे तनाव में ले गई। वह रोने लगी और कहने हालत और ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उसे लेकर निजी चिकित्सक अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में सौम्या ने दम तोड़ दिया। बनना चाहती थी किसान की बेटी सौम्या मेरी बेटी अफसर बनना रोशन कर सके... ये शब्द सौम्या के पिता के हैं। जो अपनी होनहार बताया कि वह प्रशासनिक सेवा में जाकर देश की सेवा करना

दे पाने के तनाव ने एक मेधावी छात्रा की जान ले ली। जसराना के मोहल्ला सोमवार को बिगड़ गई और अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत कोहराम मचा है।मोहल्ला निवासी संजय कुमार की बेटी सौम्या लोक राष्ट्रीय में बहुत होशियार थी और बेहतर अंक लाने के लिए काफी मेहनत कर रही रविवार देर रात तक और फिर सोमवार तड़के उठकर पढ़ाई की।छात्रा के सौम्या की तबीयत खराब हो गई। उसे एक स्थानीय चिकित्सक को कही। इस पर परिजन ने उसे परीक्षा देने जाने से मना कर दिया। बस यही लगी कि उसका पूरा साल खराब हो जाएगा। शाम करीब चार बजे उसकी के पास पहुंचे, जहां से उसे शिकोहाबाद रेफर कर दिया गया। मगर, परिजन पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव गांव लेकर चले गए। आईएएस चाहती थी, वो रात-रातभर जागकर इसलिए पढ़ती थी ताकि हमारा नाम बेटी की तस्वीर देख रह-रहकर बदहवास हो रहे थे। परिजन ने रुंधे गले से चाहती थी। सोमवार को जब तबीयत बिगड़ने के कारण उसका पेपर छूटा, तो उसे अंकों का नुकसान नहीं, बल्कि अपने उस आईएएस बनने के सपने में एक साल और देरी लगने का डर सताने लगा, जिसके सदमे को उसका मासूम दिल सह नहीं सका। तीन भाइयों की लाडली, पूरे गांव की प्रेरणा- सौम्या तीन भाइयों की इकलौती और लाडली बहन थी। उसकी लगन को देखकर गांव के अन्य लोग भी अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए प्रेरित होते थे। सौम्य के पिता संजय खेती करते हैं। मां बृजेश देवी गृहिणी हैं। बड़ा भाई शिवम मोबाइल की दुकान चलाता है। बच्चे तनाव न लें, परीक्षा से आगे है जीवन- डीआईओएस धीरेंद्र कुमार ने अभिभावकों व बच्चों को सलाह दी है कि वह परीक्षा का तनाव न लें। यदि परीक्षा के दिन बच्चे की तबीयत खराब है तो जोखिम न लें। एक साल की कीमत एक जान से बढ़कर नहीं है। उन्हें बताएं कि इम्प्रूवमेंट या दोबारा परीक्षा के विकल्प हमेशा खुले रहते हैं। अपने बच्चे को बार-बार यह महसूस कराएं कि वह आपके लिए किसी भी डिग्री या परिणाम से कहीं अधिक कीमती है। नंबर कम आए तो क्या होगा, इस डर को खत्म करें। अभिभावक अपने बच्चे की तुलना किसी अन्य के साथ न करें। अगर बच्चा अचानक चुप रहने लगे, कम खाए, चिड़चिड़ा हो जाए या उसे नींद न आए तो यह गहरे तनाव के संकेत हैं। इसे नाटक न समझें, उससे प्यार से बात करें।

संक्षिप्त समाचार

सेऊ प्रीमियर लीग का भाजपायुमो जिला अध्यक्ष देवेश मीणा ने किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / जिला संवाददाता हाकम सिंह रघुवंशी/

जनपद अध्यक्षा प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी,मंडल अध्यक्षा संग्राम सिंह रहे मौजूद शमसाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सेऊ में आज युवाओं के उत्साह और खेल भावना के बीच क्रिकेट सेऊ प्रीमियर लीग सीजन 1 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन देवेश मीणा, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा द्वारा फीता काटकर एवं टॉस करके किया गया। उद्घाटन अवसर पर देवेश मीणा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच की शुरुआत कराई और कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से खेल के साथ-साथ शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।उद्घाटन मैच् क्र 11 और किंग्स ऑफ नटेरन के बीच खेला गया जिसमें किंग्स ऑफ नटेरन ने जीत दर्ज की।देवेश मीणा एवं सभी अतिथियों का वरिष्ठ नेता श्री कमल सिंह धाकड़ जी संजय धाकड़ी नेअपने निज निवास पर एवं सरपंच प्रतिनिधि विकेश मालवीय ने ग्राम पंचायत भवन में स्वागत किया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी जनपद सदस्य अनसुज शर्मा सरपंच बिकेश मालवीय मण्डल अध्यक्ष संग्राम रघुवंशी संजय रघुवंशी मूडरा बृजेश चौकेसे संजय धाकड़ अंकितगुप्ता अखलेश रघुवंशी वीर सिंह एवं जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

100 विधायक के ऑफर मामले में पंकज चौधरी का पलटवार, कहा- सपा हताश है, खुद सरकार बनाने की स्थिति में नहीं

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अखिलेश यादव के 100 विधायक वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा हताशा में ऐसे बयान दे रही है। उन्होंने भाजपा में किसी तरह के मतभेद से इनकार किया।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उपमुख्यमंत्री को 100 विधायक लाकर मुख्यमंत्री बनाने संबंधी दिए गए बयान पर तीखा पलटवार किया है। पंकज चौधरी ने कहा कि यह बयान विपक्ष की हताशा और निराशा को दर्शाता है। ऑफर देने के बयान से स्पष्ट है कि सपा अब खुद के दम पर सरकार

बनाने की स्थिति में नहीं है। जहां तक भाजपा में अंतर्द्वंद्व का सवाल है, तो यह साफ कर देना चाहता हूं कि कोई मतभेद नहीं है। अगर कहीं कोई बात आती है तो उसे ठीक कर लेंगे। सोमवार शाम हाल्सीगंज, घंटाघर स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सर्वसमाज की पार्टी है। हम सबको साथ लेकर चलते हैं, जबकि सपा जाति और धर्म की राजनीति करती है। जनता इसे समझ चुकी है। जनता ने इसी कारण सपा के जंगलराज को तिलांजलि दे दी।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं को अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए, जहां लगातार जनाधार घट रहा है और संगठन कमजोर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन, संगठन और नेतृत्व की स्पष्ट व्यवस्था है, जबकि सपा में केवल परिवारवाद और अंतर्कलह दिखाई देती है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने पूर्ण बहुमत देकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार को जनसेवा के लिए चुना है। भाजपा सरकार विकास, सुशासन, कानून व्यवस्था और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ काम कर रही है। विपक्ष के पास जनहित के मुद्दे नहीं बचे हैं, इसलिए वह इस तरह के अगंभीर और राजनीतिक रूप से अपरिपक्व बयान देकर सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया को यह समझना चाहिए कि उत्तर प्रदेश की जनता अब विकास और सुशासन की राजनीति को ही स्वीकार करती है। भाजपा सरकार के कार्यों से प्रदेश में निवेश, रोजगार, आधारभूत संरचना और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं, जिससे विपक्ष की जमीन खिसक चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के नेता ऐसे बयान देने के बजाय जनता के मुद्दों पर सकारात्मक और रचनात्मक राजनीति करें।

दुग्ध उत्पादन में श्रावस्ती जिले के दो किसानों को मिला प्रदेश स्तर का सम्मान, सीता द्वार समिति का नाम रोशन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / ?श्रावस्ती। दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के क्षेत्र में जनपद श्रावस्ती ने प्रदेश स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। जिले के दो प्रगतिशील किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान समारोह में स्थानीय स्तर पर मौजूद अधिकारियों की उपस्थिति ने किसानों का उत्साह दोगुना कर दिया। ?मिला प्रदेश का गौरव- %गोकुल% और %नंद बाबा% पुरस्कार- ?जनपद के प्रगतिशील किसान राम जी मिश्र को दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित %गोकुल पुरस्कार% से सम्मानित किया गया है। वहीं, दुग्ध विकास की दिशा में विशेष नवाचार और बेहतर प्रबंधन के लिए शेर बहादुर सिंह को %नंद बाबा पुरस्कार% प्रदान किया गया। ?यह पुरस्कार विशेष रूप से सीता द्वार दुग्ध समिति के लाभार्थियों को प्राप्त हुआ है, जो पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। इस गरिमामयी अवसर पर सामान्य प्रबंधक अनुज कुमार यादव तथा स्थानीय प्रभारी जय प्रकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इन अधिकारियों ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत बताया। ,?पशुपालकों में उत्साह, क्षेत्र में खुशी का माहौल ?पुरस्कार प्राप्त करने वाले इन किसानों ने अपनी मेहनत और सीता द्वार दुग्ध समिति के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का श्रेय दिया है। इस उपलब्धि के बाद से ही जिले के अन्य पशुपालकों में काफी उत्साह है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सम्मानों से न केवल किसानों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि आधुनिक दुग्ध उत्पादन के प्रति अन्य लोग भी आकर्षित होते हैं। ?प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने राम जी मिश्र, शेर बहादुर सिंह और सीता द्वार दुग्ध समिति के सभी लाभार्थियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

शमशाबाद में श्रमजीवी पत्रकार संघ ने कराया निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन,190 मरीजों को मिला शिविर का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / जिला संवाददाता हाकम सिंह रघुवंशी/ शमशाबाद में सोमवार को मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के तत्वाधान में बजरिया स्थित निजी भवन में विशाल निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया शिविर में शमशाबाद सहित आसपास के मरीज ने अपनी आंखों का परीक्षण कराकर शिविर का लाभ लिया है ! बता दे कि श्रमजीवी पत्रकार सांगणे आनंदपुर सेवा ट्रस्ट के माध्यम से निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है शिविर के शुरू होने के पहले एसडीएम अजय प्रताप सिंह द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर मां सरस्वती की तस्वीर की पूजा के शिविर की शुरुआत की गई है ! शिविर के दौरान 108मरीजों को आई ड्रॉप, एवं 36 मरीजों को ऑफरेशन के लिए आनंदपुर अस्पताल भेजा गया है! इस अवसर पर विदिशा जिले से वरिष्ठ पत्रकार हाकम सिंह रघुवंशी, पूरन सिंह रघुवंशी, ईश्वरीय भार्गव, विमल विश्वकर्मा, धर्मेंद्र प्रजापति, सौरभ जैन, अंकुश साहू, सैफ अली खान, संजय शर्मा, नंदकिशोर सेन, किशन सिंह रायजादा, साकेत साहू, सोनू रघुवंशी आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

हमारी सरकार शिक्षा मित्रों के साथ : दद्दन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती प्रदेश की सरकार सम्मान और संवेदनशीलता के साथ सभी वर्गों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधा के ऐतिहासिक निर्णय के बाद पूर्व सांसद व जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा के आवास पर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ श्रावस्ती के प्रदेश प्रवक्ता शिव श्याम मिश्र, जिला अध्यक्ष निर्मल शुक्ल, जिला महामंत्री सुभाष चन्द्र, जिला कोषाध्यक्ष राम अचल, जिला संयुक्त मंत्री अजय पाल सिंह, ब्लाक अध्यक्ष शंकर शरण शुक्ल, सहित संगठन के सैकड़ों पदाधिकारियों ने आत्मीय भेंटकर मुख्यमंत्री व शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया। विदित हो कि हाल ही में सम्पन्न हुए बजट सत्र में राज्य सरकार ने आगामी अप्रैल माह से शिक्षामित्रों को 18 हजार रुपए तथा अनुदेशकों को 17 हजार रुपए मानदेय देने का ऐलान किया है। पूर्व सांसद ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा मित्रों व अनुदेशकों के साथ है। यह फैसला न केवल उनके परिश्रम और समर्पण का सम्मान है, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। शिक्षामित्र एवं अनुदेशक वर्षों से निष्ठा और लगन के साथ बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मानदेय वृद्धि से उनका मनोबल बढ़ेगा, जिससे वे और अधिक उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। इस संवेदनशील एवं जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का हृदय से आभार एवं साधुवाद।

होली एवं रमजान माह के दृष्टिगत पुलिस लाइन्स भिनगा पर हुआ बलवा ड्रिल का अभ्यास

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। आगामी त्यौहारों होली एवं रमजान माह के दृष्टिगत जनपद में शान्ति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के नेतृत्व में पुलिस लाइन्स मिनगा में बलवा ड्रिल का प्रभावी अभ्यास आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 250 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति, विशेषकर दंगा या असामाजिक भीड़ के नियंत्रण में पुलिस बल की तत्परता, दक्षता एवं संयमित बल प्रयोग की रणनीति को व्यवहार में लाना था। ड्रिल के दौरान टियर गैस गन, एंटी राइट गन, चिली बम सहित विभिन्न दंगा नियंत्रण उपकरणों के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया। बलवा नियंत्रण की सम्पूर्ण प्रक्रिया को 10 अलग अलग टीमों द्वारा क्रमबद्ध रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसमें एलआईयू द्वारा अभिसूचना संकलन, नागरिक पुलिस द्वारा भीड़ को समझाना, चेतावनी जारी करना, अग्निशमन दल द्वारा पानी का छिड़काव, टीयर गैस स्क्वाड द्वारा अन्नु गैस का प्रयोग, और लाठी पार्टी द्वारा न्यूनतम बल प्रयोग जैसे सभी चरणों का अभ्यास शामिल था। यदि हिंसा की स्थिति बनी रहती है तो फायर पार्टी द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग की सम्भावना को भी सम्मिलित किया गया। घायलों की तत्काल सहायता हेतु प्राथमिक चिकित्सा पार्टी एवं एम्बुलेंस की तैनाती, तथा भीड़ के नियंत्रण के उपरांत पिकेट व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु रिजर्व बल की तैनाती भी अभ्यास का हिस्सा रही। अभ्यास के अंत में कमांडिंग अधिकारी द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक के समक्ष सारगर्भित रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का भी अभ्यास कराया गया। सम्पूर्ण अभ्यास की निगरानी ड्रोन कैमरे द्वारा सतत रूप से की गई, और अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्रिल का गहन निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। पुलिस कर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। इस अवसर पर समस्त क्षेत्राधिकारी गण, प्रतिसार निरीक्षक श्री अखिलेश कुमार, समस्त थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मानव-हाथी द्वंद और अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / वन मंडल सूरजपुर द्वारा महुली, कछवारी और कोल्हुआ में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया गया संदेश वन परिक्षेत्र बिहारपुर में रेंजर मेवालाल पटेल के नेतृत्व में आयोजन चाँदनी बिहारपुर । वन मंडल सूरजपुर के वन आंचल परिक्षेत्र बिहारपुर द्वारा ग्राम पंचायत महुली, अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अधिकारी (रेंजर) मेवालाल पटेल के नेतृत्व में ग्रामीणों को मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते तथा वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए हाथियों की आवाजाही बढ़ने के कारण फसलों आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा के दौरान कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम रूप में प्रस्तुत किया। नाटक में दिखाया गया कि को गंभीर बना देती है, जबकि समय पर सूचना है। ग्रामीणों को समझाया गया कि- हाथियों के करें। रात के समय खेत या जंगल की ओर में चलें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि मानव-

एवं पहाड़ी आंचल अंतर्गत हाथी प्रभावित वन कछवारी एवं कोल्हुआ में मानव-हाथी द्वंद एवं अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम वन परिक्षेत्र आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य टकराव से बचाव के उपायों की जानकारी देना जागरूक बनाना था। क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से की क्षति, मकानों को नुकसान और जनहानि की हुए वन विभाग द्वारा गांव-गांव पहुंचकर जनसंवाद रहे हैं। नुक्कड़ नाटक बना प्रभावी माध्यम- कार्यक्रम से मानव-हाथी द्वंद की परिस्थितियों को जीवंत किस प्रकार अफवाह, भीड़ और लापरवाही स्थिति और संयम से बड़े नुकसान को रोका जा सकता झुंड के पास जाने या उन्हें उकसाने का प्रयास न अकेले न जाएं। टॉर्च का उपयोग करें और समूह विभाग को सूचना दें। रेंजर मेवालाल पटेल ने हाथी द्वंद की घटनाओं को कम करने के लिए प्रशासन और जनता का समन्वय आवश्यक है। सतर्कता और सहयोग से ही जान-माल की हानि को रोका जा सकता है। अग्नि सुरक्षा पर विशेष फोकस- अभियान के दौरान वनाग्नि से होने वाले नुकसान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में छोटी सी लापरवाही भी बड़े वनाग्नि का रूप ले सकती है। ग्रामीणों को निर्देशित किया गया कि- महुआ या अन्य वनोपज संग्रह के दौरान आग का प्रयोग न करें। जलती हुई बीड़ी-सिगरेट जंगल क्षेत्र में न फेंकें। सूखी पत्तियों या घास में आग न लगाएं। आग लगने की स्थिति में तुरंत वन अमले को सूचित करें। वनाग्नि से वन संपदा, जैव विविधता एवं वन्यजीवों को गंभीर क्षति होती है, जिससे ग्रामीणों की आजीविका भी प्रभावित होती है। जनसहभागिता से मिलेगा समाधान- कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, वन सुरक्षा समिति के सदस्य एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने वन संरक्षण और सुरक्षा में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया। वन विभाग ने स्पष्ट किया कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में भविष्य में भी इसी प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि मानव-हाथी द्वंद और वनाग्नि जैसी समस्याओं को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके।

एपस्टीन फाइल्स में आपका नाम सामने आना शर्म की बात, राहुल गांधी ने वीडियो जारी पीएम पर साधा निशाना

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों पर निशाना साधा और कहा कि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में आना शर्म की बात है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों व मित्रों के की बात है। राहुल गांधी ने क्या कहा? राहुल गांधी ने एक्स पर मोदी जी, आप शर्म की बात करते हो? शर्म की बात मैं आपको मित्र का साथ में नाम आना, ऐसे घिनौने अपराधी के साथ आपका व्यापार सौदा किया है, जिसमें आपने देश को बेच दिया - ये शर्म दिया। कपड़ा उद्योग बर्बाद कर दिया - ये शर्म की बात है। उन्होंने पर अमेरिका में चल रहे मुकदमे ने आपकी रातों की नींद उड़ा रखी वित्तीय आर्किटेक्र पर मुकदमा है। 14 महीनों से उन पर कोई

वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राहुल नाम एपस्टीन फाइल्स में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह शर्म वीडियो जारी किया। इसके साथ ही कैप्शन में उन्होंने लिखा- बताता हूं। एपस्टीन फाइल्स में आपका, आपके मंत्री और आपके नाम जुड़ा होना- ये शर्म की बात है। आपने अमेरिका के साथ जो की बात है। हमारे देश का डेटा दे दिया। किसानों को खत्म कर आगे लिखा, पूरा देश जानता है कि (कारोबारी गौतम) अदाणी है, क्योंकि वो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आपके कार्रवाई नहीं हुई - ये शर्म की बात है। मोदी जी, आप अपने मित्रों अनिल अंबानी, अदाणी और अपने लिए जो उचित समझें, वो कीजिए। मैं और कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर देश की रक्षा करते रहेंगे। एक इंच पीछे नहीं हटेंगे।

A 28-year-old song became a bigger hit than the film itself, shaping this actress's career.

Today, we're going to tell you about a 28-year-old song that became a bigger hit than the film itself. Let's find out which song it is. A superhit song from a flop film remains a fan favorite even after 28 years - the song is a top-notch dance song. Reminiscing about old songs, we've brought you details of select songs that became more popular than the films themselves. Not only that, listeners still enjoy listening to those songs today. Based on this, we're going to tell you about a 28-year-old cult song that became a bigger hit than the film itself. It's known as a dancing song. Notably, it catapulted the career of a prominent Hindi cinema actress. Let's find out which song it is. A 28-year-old song is a hit today - The song in question was from a flop movie released in 1990. The film was directed by legendary South Indian filmmaker Mani Ratnam and starred mega-superstar Shah Rukh Khan in the lead role. Despite this, the film was a commercial flop. The movie was titled Dil Se... and the song was titled Chaiyya Chaiyya. Shah Rukh Khan's Chaiyya Chaiyya became more popular than the film itself, and even today, the song is widely played at weddings and functions. Actress Malaika Arora danced vigorously on the roof of a train with King Khan in this song from Dil Se, and it was after Chaiyya Chaiyya that she established her identity in B-town. Famous singers Sukhwinder Singh and Sapna Awasthi sang the song Chaiyya Chaiyya from Dil Se, while music director A.R. Rahman composed the melodious tune. The lyrics were also penned by renowned lyricist Guzar Sahab. Over 100 million views on YouTube - Shah Rukh Khan's Chaiya Chaiya has been uploaded to YouTube on various channels in both video and lyric formats. Combined, the song has over 100 million views, a testament to its popularity.

He lost his father in childhood, then gave the world Scouts and Guides: Read the untold story of this British soldier.

Lord Baden-Powell, the founder of the Scouts and Guides, was born on February 22nd. Despite losing his father in childhood, he learned nature and discipline from his mother. In 1907, he organized the first camp and started the Boy Scouts. Later, the Girl Guides were also formed. Scouting arrived in India in 1909, and the Bharat Scouts and Guides was formed in 1950. Lord Baden-Powell started the Boy Scouts movement in 1907. His aim was to instill discipline and social service in youth. Scouting arrived in India in 1909, and the organization was formed in 1950. February 22nd holds a special place in the pages of history. This is the day when Lord Baden-Powell, the founder of the Scouts and Guides, was born. He was a British military officer and author. He started the Boy Scouts movement, which we see worldwide today, in 1907. His aim was to instill discipline, courage, and social service in young people. Powell lost his father at a young age: Born on February 22, 1857, in London, his father passed away when he was just three years old. After his father's death, the family's financial situation was dire, but despite this, his mother taught him many things. Thanks to his mother, he learned to explore the woods, sail, map, and understand nature. He received his early education at Rose Hill School in England. Later, he received a scholarship to Charterhouse School. However, Powell was always more interested in outdoor activities, trekking, music, and acting than in books. The Army inspired him to start Scouting: After completing his studies, Powell joined the British Army in 1876, and interestingly, his first posting was in India. In 1899, he wrote a book called "Aids to Scouting." This book, primarily for military personnel, was also well-received by ordinary children. After reading this book, children became interested in trekking and camping and began calling themselves "Boy Scouts." Powell realized that teaching children some of the best aspects of the military could significantly develop their character. The first camp and the beginning of the "Girl Guides": Seeing this enthusiasm, Powell organized a camp for 20 boys on Brownsea Island in 1907. This camp taught teamwork and morality. The following year, in 1908, he published his most famous book, "Scouting for Boys." Later, with his sister, Agnes, he also started the "Girl Guides" for girls. How did the Scouts and Guides reach India? The influence of Powell's book, "Scouting for Boys," reached India, and it was launched there in 1909. In Bangalore, Captain T.H. Baker formed the first Scout group, but it consisted only of English and Anglo-Indian children. Subsequently, in 1913, leaders like Annie Besant, Pandit Madan Mohan Malaviya, and Vivian Bose established separate Scouting groups for Indians. Baden-Powell himself visited India in 1921 and 1937. After India's independence, The Bharat Scouts and Guides was officially formed on November 7, 1950.

It's not just avoiding commitment, these 5 things also indicate that your partner isn't serious in the relationship.

Not just avoiding commitment, but certain habits of your partner also indicate that they aren't serious in the relationship. Your partner only speaks to you when they're convenient. They always avoid discussing future plans. All efforts to save the relationship must come from your side. When we're in love, our hearts often overlook their shortcomings. We tend to think that avoiding marriage or commitment means they're not serious in the relationship, but in reality, this isn't the only sign. In everyday life, your partner may exhibit certain habits and actions that clearly indicate they're not serious about the relationship. Let's explore these 5 things that are a major red flag. Talking at their own convenience: If your partner only calls or texts when they're free or when they have something to do, it's something to consider. Sometimes they'll shower you with love, and other times they'll disappear for weeks. If their time for you depends on their "convenience," it means you're not a priority. Not discussing the future - Forget about marriage, if your partner changes the topic even when it comes to next month's trip or celebrating upcoming festivals together, it's a clear sign. A person who sees a future with you enjoys planning even small things with you. Keeping you away from friends and family - It's understandable to keep things private in the beginning of a relationship, but if you've been together for a long time and they haven't introduced you to any of their close friends or family, it's a red flag. This could simply mean they view this relationship as a temporary "time pass." Not supporting you during difficult times - Anyone can stand by you in loving moments, but a true partner is revealed when you're in trouble or stressed. If, when you're sad, they avoid you instead of offering emotional support or saying, "You're thinking too much," they're not ready for a solid, serious relationship. The sole responsibility for saving the relationship lies with you—are you always the one making the plans to meet? Are you always the one apologizing first when there's a fight? If you're putting in all the effort and they're simply taking it easy, it's one-sided love. A strong relationship requires equal effort from both sides. Love is beautiful, but it should also give you peace of mind. If you're experiencing these feelings repeatedly in your relationship, don't keep yourself in the dark. Talk openly to your partner and understand your importance.

A 3-year-old crime thriller has set foot on Zee5, taking over the OTT platform.

A 3-year-old crime thriller was recently released on the popular OTT platform, Zee5. As soon as it arrived on OTT, the movie began to perform exceptionally well and has become a top trending topic. This the number-one spot on now streamed on OTT. watching films and web streamed online on the OTT, it began to perform trending topic. In this discussed and its story. crime thriller was Friday. The story to the world. He starts begins killing his enemies continues to shake him. the dynamics of his take revenge on his that we're talking about Kennedy. This movie, won the hearts of noir crime thriller, this enjoy watching films in Anurag Kashyap's won accolades at several

movie's amazing crime thriller has taken over the OTT platform, Zee5 - a 3-year-old film In addition to cinemas, cinephiles also enjoy series on OTT. Recently, a 3-year-old film was OTT platform, Zee5. As soon as it arrived on exceptionally well and has become a top article, let's find out which movie is being This movie's buzz on Zee5 is intense - this released on the OTT platform Zee5 last revolves around a police officer who is dead working as a taxi driver and, disguised, one by one. This killer has a past that Then, the entry of a beautiful woman changes plans, and he becomes even more eager to enemy. To end your suspense, let us tell you director Anurag Kashyap's acclaimed film, starring Rahul Bhatt and Sunny Leone, has audiences since its release on OTT. As a neo-movie offers suspense and mystery. If you this genre, you'll definitely enjoy Kennedy. Kennedy is being discussed because it has international film festivals. Kennedy thoroughly entertained audiences at several international film festivals, including the Sydney Film Festival, the London Indian Film Festival, and the Cannes Film Festival. Now, the movie is trending on the OTT platform, Zee5.

"Assi" paid off, Sunday paid off, and the film earned a hefty price.

Actress Taapsee Pannu's latest film, "Assi," is currently in theaters. The movie impressed everyone with its box office collection on the third day of its release. "Assi" made a comeback at the box office. The earnings director Anubhav Sinha, who "Article 15," recently released its this film starring actress Taapsee domestic box office. However, on Let's find out how much the film It's often seen that cinephiles are film released in theaters. A "Assi." After a slow initial two strong impact on Sunday. courtroom drama earned an increase from last Saturday. this, Assi's total box office opening weekend. Assi's against women in society. system works in such sensitive feedback from critics and

math changed on the third day of its release. "Assi," directed such blockbuster films as "Thappad" and new film "Assi" in theaters. Fans were eagerly awaiting Pannu. "Assi" had a slow start commercially at the the third day of its release, it has made a strong case. earned on Sunday. "Assi" box office collection update: keenly interested in the collection updates of any new similar situation is currently being observed with days of cash circulation, Assi attempted to make a According to a report by SacNilk, Taapsee Pannu's estimated ?18 million on its third day of release, an Thus, Assi has made a strong box office statement. With collection has now reached close to ?5 crore for the storyline depicts the serious issue of sexual harassment Furthermore, Assi reveals the truth about how the legal cases. It's worth noting that the film is receiving positive audiences. Makers have high hopes for Assi - Director Anubhav Sinha has high hopes for Assi. He believes that low-budget films have a higher chance of success. Assi is a movie on the same premise, as per experience this low budget film can recover its budget commercially.

Mother was about to poison her, but her father left her; God performed a miracle for Shaktimaan's Geeta Vishwas.

Shaktimaan's Geeta Vishwas, Vaishnavi MacDonald, has revealed the struggles of her childhood. She explained how her parents' conflicts and her father's disappearance affected her studies. There was a time when her mother even studies; her mother wanted to poison her after her attending church. For an entire generation, Vishwas. Those who have watched Shaktimaan journalist Geeta Vishwas in Shaktimaan. was one of children's favorite TV shows. Vaishnavi long before she became a familiar face on television, clashes between her parents also affected Kannan, Vaishnavi said, "Because of my parents' to another. How could I go to school? I was very we continued to do this. I wasted six years doing who lived in a small house, further said, "But fate rented house in Hyderabad and life began to apparent reason." The actress said, "At the age of see our troubles. Within two or three months, my came to Mumbai to search for her father. In search both daughters to Mumbai. They lived in a lodge.

considered poisoning her. Parents' conflicts affected her father's disappearance - a miracle happened after Vaishnavi MacDonald will always be known as Geeta will surely relate to this. Vaishnavi played the fearless Shaktimaan aired on TV between 1997 and 2005 and was very good at her studies - but did you know that Vaishnavi suffered a lot in her childhood? The ego Vaishnavi's schooling. In an interview with Siddharth fights, we lived in hotels. We kept moving from one hotel good at studies, but from fourth grade to tenth grade, this. I wanted to become a scientist." Actress Vaishnavi, had other plans. When the family moved into a small become somewhat stable, her father disappeared for no 14, I started praying to God, asking him if he couldn't father disappeared. We couldn't find him." Vaishnavi of her father, her mother borrowed money and brought Even there, when she ran out of money for rent and food, her mother decided to poison them and kill herself. She later told us, "I was going to feed you something poisoned." I was 16 and my sister was 12. She didn't want us to fall into the wrong hands. A bundle of notes was found outside the house. However, during this time, she saw a ray of hope in a church where her mother took her. Vaishnavi claims that it was there that her life changed forever. She said, "I had a supernatural experience. I felt the power of God and started crying." When they returned to their lodge, they found a bundle of fresh 100 rupee notes outside their door—exactly the amount needed to pay the bill. This is where Vaishnavi began to believe in God.